(i) Printed Pages : 4 Roll No. .....

(ii) Questions : 14 Sub. Code : 0 0 1 1

Exam. Code : 0 0 0 1

B.A./B.Sc. (General) 1st Semester

(2122)

SANSKRIT (Elective)

Paper–Katha, Niti Evem Vyakaran

Time Allowed : Three Hours] **[Maximum Marks : 90**

नोट :— (1) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(2) सुलेख तथा भाषा की शुद्धता पर ध्यान दीजिए।

(3) प्रत्येक प्रश्न के सभी भाग एक ही स्थान पर कीजिए।

1. अधोलिखित में से किसी **एक** गद्यांश का सप्रसंग अनुवाद करें :

(क) अथ प्रातः प्रबुद्धः सन् स्वप्नं स्मरंश्चिन्ताचक्रमारूढस्तिष्ठति-अहो, सत्योऽयं स्वप्नः, किं वा असत्यो भविष्यति, न ज्ञायते। अथवा नूनं मिथ्याऽनेन भाव्यम्। यतोऽहमहर्निशं केवलं वित्तमेव चिन्तयामि।

(ख) अथ तस्यां गतायां पृष्ठे ब्राह्मणोऽपि शुन्यं गृहं मुक्त्वा भिक्षार्थं क्वचिन्निर्गतः। अत्रान्तरे दैववशात् कृष्णासर्पो बिलान्निष्क्रान्तः। नकुलोऽपि तं स्वभाववैरिणं मत्वा भ्रातू रक्षणार्थं सर्पेण सह युद्धवा, सर्पं खण्डशः कृतवान्।

(ग) अथ तयोरपि गच्छतोरेकस्याऽग्रे वर्तिः पपात। सोऽपि प्रहष्टो यावत्खनति, तावत्सुवर्णभूमिं दृष्ट्वा द्वितीयं प्राह भोः, गृह्यतां स्वेच्छया सुवर्णम्। सुवर्णादन्यन्न किञ्चिदुत्तमं भविष्यति। 1×5=5

2. अधोलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या करें :

(क) नापितेनाऽत्र यत्कृतम्।

(ख) पुत्रगात्रस्य संस्पर्शश्चन्दनादतिरिच्यते।

(ग) बुद्धिहीना विनश्यन्ति।

(घ) उदारचरितानाम् तु वसुधैव कुटुम्बकम्। 2×5=10

3. 'ब्राह्मणी-नकुल-कथा' अथवा 'लोभाविष्ट-चक्रधर कथा' का सार अपने शब्दों में लिखें। 1×5=5

4. अधोलिखित में किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या करें :

(क) अज्ञः सुखमाराध्यः सुखतरमाराध्यते विशेषज्ञः।
ज्ञानलवदुर्विदग्धं ब्रह्माऽपि तं नरं न रञ्जयति।।

(ख) स्वायत्तमेकान्तगुणं विधान्ना विनिर्मितं छादनमज्ञतायाः।
विशेषतः सर्वविदां समाजे विभूषणं मौनमपण्डितानाम्।।

(ग) जयन्ति ते सुकृतिनो रससिद्धाः कवीश्वराः।
नास्ति येषां यशःकाये जरामरणजं भयम्।।

(घ) जाड्यं धियो हरति सिञ्चति वाचि सत्यं मानोन्नतिं दिशति पापमपाकरोति।
चेतः प्रसादयतिं दिक्षु तनोति कीर्तिं सत्सङ्गतिः कथय किं न करोति पुंसाम्।। 2×5=10

5. अधोलिखित में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या करें :

(क) न हि गणयति क्षुद्रो जन्तुः परिग्रह फल्गुताम्।

(ख) तान्प्रति मानमुज्झत नृपाः। कस्तैः सह स्पर्धते।

(ग) न तु प्रतिनिविष्टमूर्खं जनचित्तमाराधयेत्। 1×5=5

6. किन्हीं **दस** व्यवहारिक शब्दों को संस्कृत में लिखें :

अंगूठा, कमर, दाँत, अमरूद, खजूर, तरबूज, सेब, बेर, आलू, टमाटर, धनिया, मूली, शलगम, शाक, पेट। 10×1=10

7. किन्हीं **चार** वर्णों का उच्चारण स्थान लिखें :

ग्, ङ्, छ, झ्, ड्, य्, अ, प्। 4×1=4

8. किन्हीं **पांच** अव्ययों का वाक्य में प्रयोग करें :

यथा, सदा, तदा, कुतः, इतः, अत्र, तत्र, सर्वत्र, तथा, एकत्र।

5×1=5

9. किन्हीं **पांच** गणनावाची अंकों को संस्कृत में लिखें :

5, 9, 16, 19, 22, 27, 31, 44, 47, 50 । 5×1=5

10. भारतीय पंचांग के अनुसार 'वारों' अथवा 'योग' के नाम लिखिए।

5

11. अधोलिखित में से किन्हीं **पांच** में सन्धि करें :

सदा+एव, दुःख+ऋतः, नर+उत्तमः, परम+अर्थः, विद्या+अर्थीः, गण+ईशः, गंगा+ओघः, यदि+अपि, ने+अनम्, गै+अकः। 5×1=5

12. किन्हीं **दो** शब्दों के रूप सभी विभक्तियों तथा वचनों में लिखें :

नदि, मुनि, लता, राम। 2×4=8

13. किन्हीं **दो** धातुओं के रूप यथानिर्दिष्ट लकारों में लिखें :

√गम्-लट् लकार, √पा-लोट् लकार, √पठ्-लङ् लकार, √वद्-लृट् लकार।

2×4=8

14. किन्हीं **पांच** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करें :

(क) वह चलचित्र देखता है।

(ख) तुम भोजन खाते हो।

(ग) मैं संस्कृत पढ़ता हूँ।

(घ) हम सब हरिद्वार जाते हैं।

(ङ) महर्षि दयानंद महापुरुष थे।

(च) भगवान् शंकर को नमस्कार है।

(छ) राम और श्याम भाई हैं।

(ज) वह बोलता है।

(झ) तुम सब दूध पीते हो।

(ञ) वे सब कहां जाते हैं। $5 \times 1 = 5$